NH Debate - 36

बाकी जातियों के लिए भी जाति-सूचक निरोधक कानून बने!

जब से "आप" पार्टी "आम आदमी" झंडा उठा के भारतीय राजनीति में उतरी है, मेरी एक काफी लम्बे वक्त से लंबित रही इच्छा फिर से जागृत हो उठी, और वो है जाति-सूचक शब्दों से रहित भारत| हालाँकि दलित व् कुछ अन्य पिछड़ी जातियों के लिए तो यह कानून (SC/ST Act) पहले से बना हुआ है, लेकिन अब इसकी जरूरत इधर भी आन पड़ी है| यानि मुझे भी SC/ST की तर्ज पर रूरल हरयाणा खासकर जाटों को "मोलड़" जैसे सम्प्रदाय व् जातिसूचक शब्द बोलने वालों के खिलाफ "Jat -Act" बनाया जाए और ऐसे शब्द प्रयोग करने वालों को वही सजा हो वो SC/ST Act के तहत होती है!

मैं स्वार्थी नहीं, इसीलिए समान कानून पंजाबी भाइयों को "रिफ्यूजी या रफूज" कहने वालों पे भी बने, बनिया भाइयों को "किराड़ या मूंजी" कहने वालों पे भी समान कानून बने, "ब्राह्मण भाइयों को "ताता खानिया, पोथी-पंडोकली वाला" कहने वालों पर भी समान कानून बने, राजपूत भाइयों को "गोला-गोले" कहने वालों पर भी समान कानून बने.....so my point is very crucial if AAP guys really dream of a casteless, caste-allegations less India of Aam Aadmi, then they should seriously think and hear to this social issue of huge biases and social misuse.

Phool Kumar Malik

Nidana Heights

Dated: 26/01/14